पिछली सरकार के समय नसबन्दी किए गए व्यक्तियों के साथ न्याय करने के लिए एक आयोग स्थापित करना।

4023. **श्री जगत राम :** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विचार पिछली सरकार के समय जबरदस्ती नसबन्दी किये जाने के परिणामस्वरूप जो व्यक्ति विकलांग हो गये थे और जिनको लज्जित किया गया था और जिन परिवारों के लोग मारे गये थे, उनके साथ न्याय करने के लिए एक आयोग स्थापित करने का है ; और

(ख) यदि नहीं, तो ऐसे लोगों के साथ न्याय करने के लिए क्या कार्यवाही की गई है या करने का विचार है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जगदम्बी प्रसाद यादव): (क) और (ख). भारत के राष्ट्रपति द्वारा 25 जून, 1975 को घोषित की गयी आपात-कालीन स्थिति के दौरान अथवा उसके तुरन्त पहले उन सरकारी कर्मचारियों अथवा अन्य व्यक्तियों, जिन्होंने सत्ता का दुरुपयोग किया हो, ज्यादतियों की हों या दुराचरण किया हो, या जिन्होंने ऐसे कार्य करने के लिए निदेश दिये हों, उनके लिए उकसाया हो या जिनका उन कार्यों के साथ संबंध रहा हो, उनके विरुद्ध जांच करने के लिए भारत सरकार ने गृह मंत्रालय की 28 मई, 1977 की अधिसूचना संख्या एस० ओ० 374(ई०) के तहत पहले से ही एक जांच आयोग स्थापित कर दिया है । जांच आयोग के विचारार्थ विषयों में से एक विषय उक्त अवधि के दौरान परिवार नियोजन कार्यक्रम को लागू करने में जबर-दस्ती की विशेष घटनाओं से संबंधित तथ्यों और परिस्थितियों तथा डाले गये दबाव की जांच करना है । जिन व्यक्तियों का नसबन्दी आपरेशन हुआ है, उन्हें सहायता देने के लिए सरकार आपरेशन के बाद होने वाली जटिल-ताओं का नि:शुल्क इलाज करती है और नस-बन्दी आपरेशन के बाद जिन व्यक्तियों की मृत्यु हो जाती है, उनके आश्रितों को अनुग्रह-पूर्वक सहायता भी देती है । सरकार के खर्च पर उन व्यक्तियों की नस को पुन: जोड़ने की सुविधाएं भी दी जाती हैं, जिनको इसकी आवश्यकता हो । सरकार ने इस बात पर जोर देकर राज्यों को सूचित किया है कि परिवार कल्याण कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए जोर-जबरदस्ती का कोई तरीका इस्तेमाल न किया जाए और केवल शैक्षिक तथा प्रेरणात्मक दृष्टिकोण ही अपनाया जाए ।

Use of Lehsun and Shiwambu

4024. SHRI S. S. DAS : Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that regular use of 'Lehsun' (garlic) and 'Shiwambu as medicine has been recognised as a sure and tested cure for grave, non-curable and chronic diseases on the basis of experience and authoritative books on Sciences, Ayurveda and Naturopathy and has also been recognised by research institutions on the basis of the experiments conducted in this regard;

(b) whether it is also a fact that both these natural products are being manu-factured for regular use as medicines by drug companies under new labels but confusing names and considerable publicity is being made in the newspapers ; and

(c) if so, whether he has himself made regular use of both these natural products as medicine and the policy and thinking of the Ministry in regard to the manufac-ture, publicity and public utility of both these products ?

THE MINISTER OF STATE I THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI JAGDA-MBI PRASAD YADAV) : (a) Lehsun or garlic (Allium-Sativum) has been well known for its medicinal properties in the Ayurvedic system of medicine. In particular, garlic has been used in the treatment of inflammatory conditions such as arthritis (includ-ing rheumatic arthritis), conditions of heart including high blood pressure,

heart attack etc. In recent years, modern investigations (both chemical and pharmacological) have shown that garlic juice as well as essential oil can bring down the cholesterol levels in the blood and also decrease the clotting time. Anti-inflammatory activity of garlic has also been studied recently. Although no research has been conducted on Shiwambu, yet use of wine, recently popularised under 'Shiwambu' is mentioned to possess therapeutic qualities.

(b) More recently, various commercial preparations of garlic are available in the market such as Lasona (manufactured by Tablets Pharmaceuticals) garlic pearls (manufactured by Ranbaxy Laboratories etc.) mainly used to bring down serum cholesterol levels. However, no information about manufacture of Shiwambu is available.

(c) Publicity for such products and their utility is normally given by the manufacturers concerned. While Lehsun is used by him (Shri Raj Narain) regularly, Shiwambu is used by him occasionally, whenever necessary.

आपात स्थिति के दौरान श्री जय प्रकाश नारायण का चरित्र हनन

4025. **श्री रीत लाल प्रसाद वर्मा** : क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आपात स्थिति के दौरान मंत्रालय ने लोक नायक जय प्रकाश नारायण तथा अन्य राजनैतिक नेताओं के चरित्र-हनन के उद्देश्य से गुप्त अधिसूचनाएं जारी की थीं ;

(ख) यदि हां, तो उन अधिसूचनाओं में उपरोक्त नेताओं का क्या चरित्र-चित्रण किया गया था ; और

(ग) क्या तत्कालीन विदेश मंत्री ने स्वयं प्रत्येक अधिसूचना को जारी करने के आदेश दिये थे अथवा कि अधिकारियों ने ही स्वयं ये अधिसूचनायें जारी की थीं तथा उन पर मंत्री महोदय का अनुमोदन प्राप्त कर लिया था ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस० कुन्दू) : (क) से (ग). जैसा कि आप को याद होगा भारत की तत्कालीन सरकार की यह नीति बन गई थी, खासतौर पर जून 1975 में आपातस्थिति की घोषणा के बाद, कि अराजकता की स्थिति फैलाने के कथित प्रयास के लिए और तत्कालीन प्रशासन तथा सरकार को गिराने की कोशिश के लिए श्री जय प्रकाश नारायण तथा दूसरे प्रतिपक्षी नेताओं की आलोचना की जाय । ऐसे कुछ पत्र तथा पैम्फलेट जारी किये गये थे जिनमें दूसरी बातों के अलावा श्री जय प्रकाश नारायण तथा दूसरे प्रतिपक्षी नेताओं की आलोचना की गई थी ;

तिब्बत के दलाई लामा के साथ बातचीत

4026. **श्री केशवराव धोंडगे** : क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जुलाई-अगस्त में तिब्बत के दलाई लामा ने प्रधान मंत्री के साथ बातचीत की थी ;

(ख) यदि हां, तो उसका संक्षिप्त विवरण क्या है ;

(ग) उसमें भारत सरकार से क्या मांगें की गई हैं ; और

(घ) क्या दलाई लामा के साथ हुई उनकी बातचीत के बारे में चीन में जोरदार प्रतिक्रिया व्यक्त की है ; और सरकार ने उसका क्या उत्तर दिया है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस० कुन्दू) : (क) से (ग). परम पावन दलाई लामा ने तिब्बती शरणार्थी संस्थापनाओं की यात्रा पर दक्षिण भारत जाते हुए प्रधान मंत्री श्री देसाई से 22 जुलाई, 1977 को